Nai Dunia (Indore), 1st September 2020, Page-9

इंदौर में प्रणब दा ने विद्यार्थियों से कहा था- 'समाज ने आपको बनाया है, आपको उसका कर्ज उतारना होगा'

दुनिया के टॉप 200 में भारतीय विश्वविद्यालय को देखना चाहते थे मुखर्जी

इंदौर (नईदुनिया प्रतिनिधि)। बतौर राष्ट्रपति डॉ. प्रणब मुखर्जी दो बार इंदौर आए थे। दोनों ही बार उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरक सीख दी थी। वर्ष 2013 में उन्होंने आइआइटी के दीक्षा समारोह में विद्यार्थियों से दिल की बातें कही थीं। समारोह में उन्होंने विद्यार्थियों से कहा था कि समाज ने आपको बनाया है, अब समय आ गया है कि आप लोगों को समाज का कर्ज उतारना होगा। उन्होंने यह भी कहा था कि भारत इतना बड़ा देश है, यहां के युवा भी काफी बुद्धिमान हैं। मुझे दुख है कि एक भी भारतीय शैक्षणिक संस्थान ऐसा नहीं है जो दुनिया के टॉप 200 में जगह बना पाया हो। पीछे रहने का कारण यह है कि देश में इनोवेशन बहुत कम होता है। इसके बाद 2014 में देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के पचास साल पूरे होने पर वे इंदौर आए थे।

2014 में देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर के दीक्षा समारोह में पूर्व राष्ट्रपति डॉ. प्रणव मुखर्जी (बाएं से दूसरे)। ● नईदुनिया

देश ने खोया विलक्षण बुद्धिमत्ता से भरपूर राजनेता : महाजन

पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी के निधन पर पूर्व लोकसभा स्पीकर सुमित्रा महाजन ने उनके इंदौर के दौरों को याद किया और उन्हें श्रद्धांजलि दी। महाजन ने कहा कि उनके रूप में देश ने विलक्षण बुद्धिमत्ता से भरपूर राजनेता खो दिया है। वे हमेशा राजनीति से ऊपर उठकर सलाह देते थे। वे मध्य प्रदेश के पुराने राजनीतिक घटनाक्रमों को जानते थे। जब भी मैं उनसे मिलती थी तो वे उसका जिक्र किया करते थे। उनके निधन से ऐसा लग रहा है, जैसे मैंने अपना बड़ा भाई को दिया है।

ये भी कहा था

- व्यक्ति सोचता है कि वह जो बना है वह खुद के कारण है, जबकि उसके निर्माण में समाज की भूमिका होती है।
- जर्मनी में 21 प्रतिशत छात्र उच्च शिक्षा में पंजीकृत होते हैं। अमेरिका में 34 प्रतिशत, जबकि भारत में सिर्फ 7 प्रतिशत।